केंद्रीय बजट 2022-23 का विश्लेषण

➢ बजट की मुख्य झलकियां

☞ **व्यय:** 2022-23 में सरकार ने 39,44,909 करोड़ रुपए के व्यय का प्रस्ताव रखा है जोकि 2021-22 के संशोधित अनुमान से 4.6% अधिक है। 2021-22 में कुल व्यय बजट अनुमान से 8.2% अधिक अनुमानित है।

☞ **प्राप्तियां:** 2022-23 में प्राप्तियां (उधारियों के अतिरिक्त) 22,83,73 करोड़ रुपए होने की उम्मीद है जो 202-22 के संशोधित अनुमानों से 4.8% अधिक है। 2021-22 में कुल प्राप्तियां (उधारियों के अतिरिक्त) बजट अनुमानों के मुकाबले 0.2% अधिक अनुमानित हैं।

☞ **जीडीपी:** 2022-23 में सरकार ने 11.1% की नॉमिनल जीडीपी वृद्धि दर (यानी वास्तविक वृद्धि जमा मुद्रास्फीति) का अनुमान लगाया है।

☞ **घाटे:** 2022-23 में राजस्व घाटा सकल घरेलत्रू उत्पाद के 3.8% पर लक्षित है, जो 2021-22 में 4.7% के संशोधित अनुमान से कम है। 2022-23 में राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद के 6.4% पर लक्षित है, जो 2021-22 में सकल घरेलू उत्पाद के 6.9% के संशोधित अनुमान से कम है (जीडीपी के 6.8% के बजट अनुमान से कुछ अधिक)। 9,40,651 करोड़ रुपए का ब्याज व्यय राजस्व प्राप्तियों का 43% होने का अनुमान है।

☞ **अतिरिक्त बजटीय संसाधन:** कई वर्षों के बाद बजट ईबीआर या राष्ट्रीय लघु बचत कोष के लोन्स पर निर्भर नहीं है।

☞ **मंत्रालय के आबंटन:** 2022-23 में सर्वाधिक आबंटन वाले घ्3 प्रमुख मंत्रालयों में से संचार मंत्रालय (93%), सड़क परिवहन एवं राजमार्ग (52%), और जल शक्ति मंत्रालय (25%) के आबंटनों में सबसे ज्यादा वृद्धि हुई है।

➢ फाइनांस बिल में मुख्य कर प्रस्ताव

☞ **इनकम टैक्स:** व्यक्तियों और निगमों के लिए आय कर की दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

☞ **लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स (एलटीसीजी) पर सरचार्ज:** वर्तमान में लिस्टेड इक्विटिज और इक्विटी म्यूचुअल फंड्स पर एलटीसीजी पर 5% सरचाज लगता है। अगर आय 2 करोड़ रुपए से 5 करोड़ रुपए के बीच है, तो 25% और अगर आय 5 करोड़ रुपए से ज्यादा है तो 37% सरचाज लगता है। बजट में सभी सरचारज अधिकतम 15% करने का प्रस्ताव रखा गया है।

☞ **वर्चुअल डिजिटल एसेट्स पर कर:** क्रिप्टोकरंसियों ओर नॉन-फंजीबल टोकन्स के हस्तांतरण पर होने वाली आय पर 30% की दर से कर वसूला जाएगा। इन हस्तांतरणों से हुए नुकसान की भरपाई किसी अन्य आय से नहीं की जा सकती, न ही इसे आने वाले वर्षों में कैरी फॉरवर्ड नहीं किया जा सकता है।

☞ **इनकम का अपडेटिंग रिटर्न:** टैकक्स्पेयर को आकलन वर्ष के अंत से दो वर्षों के भीतर इनकम का अपडेटेड रिटरन फाइल करने की अनुमति है। अगर यह आकलन वर्ष के बाद के वर्ष में फाइल किया गया तो उन्हें कर और देय ब्याज पर 25% और दूसरे वर्ष में 50% जुमीना देना होगा।

☞ **सहकारी समितियां:** सहकारी समितियों के लिए वैकल्पिक न्यूनतम कर 8.5% से घटाकर 5% किया जाएगा। जिन सहकारी समितियों की आय एक करोड़ से 10 करोड़ रुपए के बीच है, उसका सरचार्ज 12% से घटाकर 7% किया जाएगा।

☞ **नई कंपनियां और स्टार्ट-अप्स:** अगर नई घरेलू कंपनियां 31 मार्च, 2023 से मैन्यूफैक्चरिंग शुरू कर रही हैं तो उनके पास 15% की दर से कर चुकाने का विकल्प है (किसी कटौती का दावा न करने पर)। कुछ प्रकार के स्टार्ट-अप्स के पास पहले दस वर्षों में से किन्हीं तीन वर्षों के लिए टैक्स हॉलिडे का विकल्प होता है, अगर वे 1 अप्रैल, 2022 तक निगमित हो गई हैं। इन दोनों समय सीमाओं को एक वर्ष तक बढ़ा दिया गया है।

☞ **कस्टम्स इयूटी में परिवर्तन:** 500 से अधिक वस्तुओं पर कस्टम्स ड्यूटी बदल दी गई है। कई कस्टम्स इयूटीज को चरणबद्ध तरीके से खत्म किया जा रहा है।

➢ फाइनांस बिल में गैर कर प्रस्ताव

☞ आरबीआई डिजिटल करंसी जारी कर सके, इसके लिए भारतीय रिजर्व बैंक एक्ट, 1934 में संशोधन किया जा रहा है।

➢ नीतियों की झलक

☞ **विधायी प्रस्ताव:** स्पेशल इकोनॉमिक जोन्स एक्ट, 2005 के स्थान पर एक नया कानून लाया जाएगा, जिससे राज्य 'उद्यमों और सविस हब्स के विकास' में भागीदार बन सकें। इनमें सभी मौजूदा और नए औदयोगिक एनक्लेव्स शामिल होंगे। कृषि वानिकी और निजी वानिकी को बढ़ावा देने के लिए विधायी परिवर्तन किए जाएंगे। सीमा पारीय इनसॉल्वेंसी रेजोल्यूशन के लिए इनसॉल्वेंसी और बैंकरप्सी संहिता में संशोधन किए जाएंगे।

☞ **राजकोषीय प्रबंधनः** एयर इंडिया की देनदारियों का निपटान करने के लिए 2021-22 में 51,971 करोड़ रुपए का बजट रखा गया है।

☞ **एमएसएमईजः** इमरजेंसी क्रेडिट लाइन गारंटी योजना (ईसीएलजीएस) को मार्च 2023 तक के लिए बढ़ा दिया गया है और इसका गारंटी कवर 50,000 करोड़ रुपए किया गया है। अब कुल पांच लाख करोड़ रुपए का गारंटी कवर है। दो लाख करोड़ रुपए के अतिरिक्त ऋण की सुविधा के लिए सूक्ष्म एवं त्रघु उद्योगों हेतु क्रेडिट गारंटी ट्रस्ट को नया रूप दिया गया है।

☞ **स्वास्थ्य एवं पोषणः** आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के अंतग्गत राष्ट्रीय डिजिटल हेल्थ्य इकोसिस्टम के लिए ओपन प्लेटफॉर्म बनाया जाएगा। इसमें स्वास्थ्य प्रदाताओं और स्वाश्थ्य केंद्रों की डिजिटल रजिस्ट्रीज, यूनीक हेल्थ आइडेंटिटी, कंसेंट फ्रेमवक और स्वास्थ्य केंद्रों का यूनिवर्सल एक्सेस शामिल होगा। मेंटल हेल्थ की उत्तम दर्जे की काउंसिलिंग और केयर सर्विसेज देने के लिए एक नेशनल टेली मेंटल हेल्थ प्रोग्राम शुरू किया जाएगा।

☞ **नदियों को जोड़नाः** 44,605 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से केन-बेतवा लिंक प्रॉजेक्ट को लागू किया जाएगा। नदियों के पांच और लिंकिंग प्रॉजेक्ट्स को लागू किया जा रहा है।

☞ **श्रम और रोजगारः** डिजिटल इकोसिस्टम फॉर स्किलिंग एंड लाइवलीहुड (देश) स्टैक ई-पोर्टल को शुरू किया जाएगा। यह पोर्टल नागरिकों को कौशल सीखने, क्रेडेशियल्स हासिल करने और उपयुक्त नौकरियां खोजने में मदद करेगा।

☞ **इंफ्रास्ट्रक्चरः** नेशनल इंफ्रास्ट्रक्चर पाइपलाइन में परिवहन और लॉजिस्टिक्स से जुड़े प्रॉजेक्ट्स को पीएम गतिशक्ति फ्रेमवक से जोड़ा जाएगा। इस फ्रेमवर्क को पिछले वषे शुरू किया गया था। पूर्वोत्तर में विकास परियोजनाओं को वित्त पोषित करने के लिए पूर्वोत्तर परिषद के जरिए प्राइम मिनिस्टर्स डेवलपमेंट इनीशिएटिव फॉर नॉर्थ ईस्ट (पीएम-डिवाइन)को लागू किया जाएगा। इसके अतिरिक्त निवेश को बढ़ावा देने के लिए राज्यों को 50 वर्ष के ब्याज मुक्त ऋणों के रूप में एक लाख करोड़ रुपए आबंटित किए जा रहे हैं।

☞ **सड़क मार्गः** 2022-23 में एक्सप्रेसवेज के लिए पीएम गतिशक्ति मास्टर प्लान तैयार किया जाएगा। 2022-23 में राष्ट्रीय राजमार्गों के नेटवके को 25,000 किलोमीटर बढ़ाया जाएगा।

☞ **रेलवेः** स्थानीय व्यवसायों और आपूर्ति श्रृंखलाओं की मदद के लिए वन-स्टेशन-वन-प्रोडक्ट कॉन्सेप्ट को लागू किया जाएगा। अगले तीन वर्षों के दौरान 400 नइ वंदे भारत ट्रेनों का विकास और निर्माण किया जाएगा। इसके अतिरिक्त अगले तीन वर्षों के दौरान मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स सुविधाओं के लिए 100 कार्गो टर्मिनल भी विकसित किए जाएंगे।

☞ **टेलीकॉमः** 2022-23 में 5जी मोबाइल सेवाओं के रोलआउट के लिए स्पेक्ट्रम की नीलामी की जाएगी। 5जी के लिए इकोसिस्टम बनाने हेतु डिजाइन आधारित मैन्यूफैक्चरिंग की एक योजना शुरू की जाएगी जोकि प्रोडक्शन लिंक्ड इनसेंटिव (पीएलआई) योजना का हिस्सा होगी।

☞ **ऊर्जा ओर पर्यावरणः** इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए बैटरी स्वैपिंग नीति लागू की जाएगी। कोयला गैसीकरण करने और उदयोग के लिए कोयले को रसायनों में बदलने हेतु चार पायलट परियोजनाओं की स्थापना की जाएगी। ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए संसाधन जुटाने हेतु 2022-23 में सोवरिन ग्रीन बॉन्ड्स जारी किए जाएंगे।

➢ **<u>2002-2022 के संशोधित अनुमानों की तुलना में 2022-23 के बजट अनुमान</u>**

☞ **कुल व्ययः** 2022-23 के दौरान सरकार द्वारा 39,44,909 करोड़ रुपए खर्च करने का अनुमान है। यह 2021-22 के संशोधित अनुमान से 4.6% अधिक है। कुल व्यय में से राजस्व व्यय 31,94,663 करोड़ रुपए (0.9% वृद्धि) ओर पूंजीगत व्यय 7,50,246 करोड़ रुपए (24.5% वृद्धि) होने का अनुमान है। पूंजीगत व्यय में वृद्धि मुख्य रूप से राज्य सरकारों को दिए गए ऋणों और एडवांस में पर्याप्त वृद्धि के कारण हुड़ है। 2022-23 में केंद्र सरकार के ऋण ओर एडवांस 1,40,057 करोड़ रुपए होने का अनुमान है, जो 2021-22 के संशोधित अनुमानों से 153% अधिक है।

☞ **कुल प्राप्तियांः** सरकारी प्राप्तियां (उधारियों को छोड़कर) 22,83,713 करोड़ रुपए होने का अनुमान है, जो 2021-22 के संशोधित अनुमानों से 4.8% अधिक है। इन प्राप्तियों और व्यय के बीच के अंतर को उधारी के जरिए पूरा किया जाएगा, जिसका बजट 16,61,196 करोड़ रुपए है और यह 2021-22 के संशोधित अनुमान से 4.4% अधिक है।

☞ **राज्यों के हस्तांतरणः** केंद्र सरकार 2022-23 में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को 16,11,781 करोड़ रुपए हस्तांतरित करेगी। इसमें 2021-22 के संशोधित अनुमानों की तुलना में 0. 5% की मामूली वृद्धि है। राज्यों के हस्तांतरण में निम्नलिखित शामिल हैं: (i) केंद्रीय करों के डिवाइजिबल पूल में से 8,16,649 करोड़ रुपए, ओर (ii) अनुदान और ऋण के रूप में 7,95,132 करोड़ रुपए। 2021-22 में संशोधित अनुमानों के अनुसार, जीएसटी क्षतिपूर्ति की एवज में 1,59,000 करोड़ रुपए बैक-टू-बैक लोन्स के रूप में राज्यों को हस्तांतरित किए जाएंगे।

☞ **घाटेः** 2022-23 में राजस्व घाटा जीडीपी के 3.8% पर और राजकोषीय घाटा जीडीपी के 6.4% पर लक्षित है। 2021-22 में प्राथमिक घाटे (ब्याज भुगतान को छोड़कर राजकोषीय घाटा) का लक्ष्य जीडीपी का 2.8% है।

☞ **जीडीपी की वृद्धि का अनुमानः** 2022-23 में नॉमिनल जीडीपी के 11.1% की दर से बढ़ने का अनुमान है।

तालिका 1: बजट 2022-23 एक नजर में (करोड़ रुपए में)

	वास्तविक 2020-21	बजटीय 2021-22	संशोधित 2021-22	बजटीय 2022-23	परिवर्तन का % (संअ 2021-22 से बअ 2022-23)
राजस्व व्यय	30,83,519	29,29,000	31,67,289	31,94,663	0.9%
पूंजीगत व्यय	4,26,317	5,54,236	6,02,711	7,50,246	24.5%
इसमें से:					
पूंजीगत परिव्यय	3,15,826	5,13,862	5,47,457	6,10,189	11.5%
ऋण और एडवांस	1,10,491	40,374	55,255	1,40,057	153.5%
कुल व्यय	**35,09,836**	**34,83,236**	**37,70,000**	**39,44,909**	**4.6%**
राजस्व प्राप्तियां	16,33,920	17,88,424	20,78,936	22,04,422	6.0%
पूंजीगत प्राप्तियां	57,625	1,88,000	99,975	79,291	-20.7%
इसमें से:					
ऋणों की रिकवरी	19,729	13,000	21,975	14,291	-35.0%
अन्य प्राप्तियां (विनिवेश सहित)	37,897	1,75,000	78,000	65,000	
कुल प्राप्तियां (उधारियों के बिना)	**16,91,545**	**19,76,424**	**21,78,911**	**22,83,713**	**4.8%**
राजस्व घाटा	14,49,599	11,40,576	10,88,352	9,90,241	-9.0%
जीडीपी का %	***7.3%***	***5.1%***	***4.7%***	***3.8%***	
राजकोषीय घाटा	18,18,291	15,06,812	15,91,089	16,61,196	4.4%
जीडीपी का %	***9.2%***	***6.8%***	***6.9%***	***6.4%***	
प्राथमिक घाटा	11,38,422	6,97,111	7,77,298	7,20,545	-7.3%
जीडीपी का %	***5.8%***	***3.1%***	***3.3%***	***2.8%***	

स्रोत: बजट एट ग्लांस, यूनियन बजट डॉक्यूमेंट्स 2022-23; पीआरएस।

- सरकार के एसेट्स और देनदारियों में बदलाव करने वाले व्यय (जैसे सड़क का निर्माण या लोन की रिकवरी) को पूंजीगत व्यय कहते हैं और अन्य सभी व्यय राजस्व व्यय होते हैं (जैसे वेतन का भुगतान या ब्याज भुगतान)। 2022-23 में पूंजीगत व्यय के संशोधित अनुमान की तुलना में 24.5% की वृद्धि की उम्मीद है जोकि 7,50,246 करोड़ रुपए है। 2021-22 के संशोधित अनुमानों की तुलना में राजस्व व्यय 0.9% बढ़कर 31,94,663 करोड़ रुपए होने की उम्मीद है।
- सार्वजनिक उपक्रमों (पीएसयूज) में सरकारी हिस्सेदारी की बिक्री को विनिवेश कहा जाता है। 2021-22 में सरकार द्वारा विनिवेश का 45% लक्ष्य हासिल करने की उम्मीद है (।,75,000 करोड़ रुपए के लक्ष्य की तुलना में 78,000 करोड़ रुपए)। 2022-23 के लिए विनिवेश का लक्ष्य 65,000 करोड़ रुपए है।

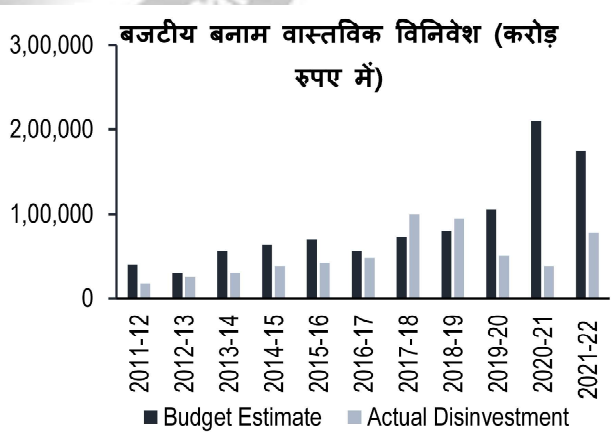

नोट: 2021-22 के वास्तविक आंकड़े संशोधित अनुमान हैं।
स्रोत: यूनियन बजट डॉक्यूमेंट्स (विभिन्न वर्ष); पीआरएस।

➢ 2022-23 में प्राप्तियों की झलक

☞ 2022-23 में प्राप्तियां (उधारियों को छोड़कर) 22,83,713 करोड़ रुपए होने का अनुमान है, जो 2021-22 के संशोधित अनुमान से 4.8% अधिक है।

☞ **सकल कर राजस्व** में 2021-22 के संशोधित अनुमानों की तुलना में 9.5% की वृद्धि का अनुमान है, जो 2022-23 में 11.19 की अनुमानित नॉमिनल जीडीपी वृद्धि से कम है। यह मुख्य रूप से एक्साइज इयूटी में 5% की गिरावट के कारण है। अन्य करों के नॉमिनल जीडीपी की तुलना में तेजी से बढ़ने का अनुमान है। केंद्र सरकार का शुद्ध कर राजस्व (करों में राज्यों की हिस्सेदारी को छोड़कर) 2022-23 में 19,34,771 करोड़ रुपए होने का अनुमान है।

☞ 2022-23 में केंद्र के कर राजस्व से राज्यों को 8,6,649 करोड़ रुपए के हस्तांतरण का अनुमान है। 2021-22 में राज्यों के हस्तांतरण में 79,222 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी है। बजटीय चरण में यह 6,65,563 करोड़ रुपए अनुमानित था, ओर संशोधित चरण में यह 7,44,785 करोड़ रुपए हो गया।

☞ 2022-23 में 2,69,651 करोड़ रुपए के गैर कर राजस्व की उम्मीद है। यह 2021-22 के संशोधित अनुमान से 14.1% कम है।

☞ पूंजीगत प्राप्तियां (उधारियों के बिना) 2021-22 के संशोधित अनुमानों की तुलना में 20.7% कम होने का अनुमान है। यह विनिवेश के कारण है, जिसके 2022-23 में 65,000 करोड़ रुपए होने की उम्मीद है, जबकि 2021-22 का संशोधित अनुमान 78,000 करोड़ रुपए था।

तालिका 2: 2022-23 में केंद्र सरकार की प्राप्तियों का ब्रेकअप (करोड़ रुपए में)

	वास्तविक 2020-21	बजटीय 2021-22	संशोधित 2021-22	बजटीय 2022-23	परिवर्तन का % (संअ 2021-22 से बअ 2022-23)
सकल कर राजस्व	**20,27,104**	**22,17,059**	**25,16,059**	**27,57,820**	**9.6%**
इसमें से:					
कॉरपोरेशन टैक्स	4,57,719	5,47,000	6,35,000	7,20,000	13.4%
इनकम टैक्स	4,87,144	5,61,000	6,15,000	7,00,000	13.8%
वस्तु एवं सेवा कर	5,48,778	6,30,000	6,75,000	7,80,000	15.6%
कस्टम्स	1,34,750	1,36,000	1,89,000	2,13,000	12.7%
यूनियन एक्साइज ड्यूटीज़	3,91,749	3,35,000	3,94,000	3,35,000	-15.0%
सर्विस टैक्स	1,615	1,000	1,000	2,000	100.0%
क. केंद्र का शुद्ध कर राजस्व	**14,26,287**	**15,45,397**	**17,65,145**	**19,34,771**	**9.6%**
राज्यों को हस्तांतरण	**5,94,997**	**6,65,563**	**7,44,785**	**8,16,649**	**9.6%**
ख. गैर कर राजस्व	**2,07,633**	**2,43,028**	**3,13,791**	**2,69,651**	**-14.1%**
इसमें से:					
ब्याज प्राप्तियां	17,113	11,541	20,894	18,000	-13.9%
लाभांश और लाभ	96,877	1,03,538	1,47,353	1,13,948	-22.7%
अन्य गैर कर राजस्व	93,641	1,27,948	1,45,544	1,37,703	-5.4%
ग. पूंजीगत प्राप्तियां (उधारियों के बिना)	**57,626**	**1,88,000**	**99,975**	**79,291**	**-20.7%**
इसमें से:					
विनिवेश	37,897	1,75,000	78,000	65,000	-16.7%
प्राप्तियां (उधारियों के बिना) (ए+बी+सी)	**16,91,546**	**19,76,425**	**21,78,911**	**22,83,713**	**4.8%**
उधारियां	**18,18,291**	**15,06,812**	**15,91,089**	**16,61,196**	**4.4%**
कुल प्राप्तियां (उधारियों के साथ)	**35,09,836**	**34,83,236**	**37,70,000**	**39,44,909**	**4.6%**

स्रोत: रेसीट्स बजट, यूनियन बजट डॉक्यूमेंट्स 2022-23; पीआरएस।

☞ **अप्रत्यक्ष कर:** 2022-23 में 13,30,000 करोड़ रुपए का कुल अप्रत्यक्ष कर जमा होने का अनुमान है। सरकार ने इसमें जीएसटी से 7,80,000 करोड़ रुपए जुटाने का अनुमान लगाया है। जीएसटी के अंतर्गत जमा किए गए कुल करों में 85% केंद्रीय जीएसटी (6,60,000 करोड़ रुपए) और 45% (1,20,000 करोड़ रुपए) जीएसटी क्षतिपूर्ति सेस से मिलने की उम्मीद है।

☞ **कॉरपोरेशन टैक्स:** कंपनियों के टैक्स कलेक्शन के 2022-23 में 13% बढ़कर 7,20,000 करोड़ रुपए होने की उम्मीद है। 2021-22 के संशोधित अनुमानों से संकेत मित्रता है कि बजट अनुमान के स्तर पर कॉरपोरेट टैक्स कलेक्शन में 5,47,000 करोड़ रुपए से 6,35,000 करोड़ रुपए की वृद्धि होगी।

- **इनकम टैक्स:** इनकम टैक्स कलेक्शन 2022-23 में 14% बढ़कर 7,00,000 करोड़ रुपए होने की उम्मीद है। 2021-22 के संशोधित अनुमान के अनुसार, इनकम टैक्स कलेक्शन 6,15,000 करोड़ रुपए होगा जोकि 5,61,000 करोड़ रुपए के बजट अनुमान से 9.6% अधिक है।
- **गैर कर प्राप्तियां:** गैर-कर राजस्व में केंद्र द्वारा दिए गए ऋण पर ब्याज प्राप्तियां, लाभांश और लाभ, बाहरी अनुदान, और सामान्य, आर्थिक और सामाजिक सेवाओं से प्राप्तियां शामिल हैं। 2022-23 में गैर कर राजस्व 2021-22 के संशोधित अनुमानों की तुलना में 14% घटकर 2,69,651 करोड़ रुपए होने की उम्मीद है। ऐसा ब्याज प्राप्तियों में 14% की गिरावट और लाभांश ओर मुनाफे में 23% की गिरावट के कारण है।
- **विनिवेश के लक्ष्य:** 2022-23 के लिए विनिवेश के लक्ष्य 65,000 करोड़ रुपए है। यह 2021-22 के संशोधित अनुमान (78,000 करोड़ रुपए) से 17% कम है।

➢ 2022-23 में व्यय की झलक

- 2022-23 में कुल व्यय 39,44,909 करोड़ रुपए होने का vuqeku gS] tks 2021&22 ds la'kksf/kr vuqeku ls 4.6% अधिक है। इसमें (i) 11,81,084 करोड़ रुपए केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं पर खर्च करने का प्रस्ताव है (2021-22 के संशोधित अनुमान से 1.2% की गिरावट) और (ii) 4,42,781 करोड़ रुपए केन्द्र प्रायोजित योजनाओं पर खर्च करने का प्रस्ताव है (2021-22 के संशोधित अनुमान से 6.6% अधिक)।
- सरकार ने 2022-23 में पेंशन पर 2,07,132 करोड़ रुपए खर्च करने का अनुमान लगाया है, जो 2021-22 के संशोधित अनुमान में 4.1% अधिक है। इसके अतिरिक्त 2022-23 में ब्याज भुगतान पर 9,40,651 करोड़ रुपए खर्च का अनुमान है, जो सरकार के व्यय का 23.8% है।

तालिका 3: 2022-23 में केंद्र सरकार के व्यय का ब्रेकअप (करोड़ रुपए में)

	वास्तविक 2020-21	बजटीय 2021-22	संशोधित 2021-22	बजटीय 2022-23	परिवर्तन का % (संअ 2021-22 से बअ 2022-23)
केंद्रीय व्यय	**27,49,541**	**26,72,604**	**29,17,249**	**30,06,111**	**3.0%**
केंद्र का इस्टैबलिशमेंट व्यय	5,94,449	6,09,014	7,00,541	6,92,214	-1.2%
केंद्रीय क्षेत्र की योजनाएं	13,56,817	10,51,703	11,95,078	11,81,085	-1.2%
अन्य व्यय	7,98,274	10,11,887	10,21,631	11,32,813	10.9%
सीएसएस के लिए अनुदान और अन्य हस्तांतरण	**7,60,295**	**8,10,632**	**8,52,751**	**9,38,797**	**10.1%**
केंद्र द्वारा प्रायोजित योजनाएं (सीएसएस)	3,83,976	3,81,305	4,15,351	4,42,781	6.6%
वित आयोग के अनुदान	1,84,063	2,20,843	2,11,065	1,92,108	-9.0%
इसमें से:					
ग्रामीण स्थानीय निकाय	*60,750*	*44,901*	*42,623*	*46,513*	*9.1%*
शहरी स्थानीय निकाय	*26,710*	*22,114*	*14,614*	*22,908*	*56.8%*
सहायतानुदान	*22,262*	*35,376*	*35,376*	*36,486*	*3.1%*
वितरण के बाद राजस्व घाटा अनुदान	*74,340*	*1,18,452*	*1,18,452*	*86,201*	*-27.2%*
अन्य अनुदान	1,92,257	2,08,484	2,26,334	3,03,908	34.3%
कुल व्यय	**35,09,836**	**34,83,236**	**37,70,000**	**39,44,909**	**4.6%**

स्रोत: बजट एट ग्लांस, यूनियन बजट डॉक्यूमेंट्स 2022-23; पीआरएस।

- **मंत्रालयों के व्यय–** 2022-23 के कुल अनुमानित व्यय में 13 सर्वाधिक आबंटन वाले मंत्रालयों का हिस्सा 53% है। इनमें रक्षा मंत्रालय के लिए सर्वाधिक 5,25,166 करोड़ रुपए का आबंटन है। यह केंद्र सरकार के कुल बजटीय व्यय का 13.3% है। सबसे ज्यादा आबंटन वाले अन्य मंत्रालयों में शामिल हैं– (i) उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण, (ii) सड़क परिवहन एवं राजमार्ग और (iii) गृह मामले। तालिका 4 में 2022-23 के लिए 13 सर्वाधिक आबंटन वाले मंत्रालयों का व्यय और 2021-22 के संशोधित अनुमान की तुलना में आबंटन में परिवर्तन को दर्शाया गया है।

तालिका 4: 2022-23 में मंत्रालय पर व्यय (करोड़ रुपए में)

	वास्तविक 2020-21	बजटीय 2021-22	संशोधित 2021-22	बजटीय 2022-23	परिवर्तन का % (संअ 2021-22 से बअ 2022-23)
रक्षा	4,85,681	4,78,196	5,02,884	5,25,166	4.4%
उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण	5,66,797	2,56,948	3,04,454	2,17,684	-28.5%
सड़क परिवहन एवं राजमार्ग	99,159	1,18,101	1,31,149	1,99,108	51.8%
गृह मामले	1,44,258	1,66,547	1,73,083	1,85,776	7.3%
रेलवे	1,12,159	1,10,055	1,20,056	1,40,367	16.9%
ग्रामीण विकास	1,97,593	1,33,690	1,55,043	1,38,204	-10.9%
कृषि एवं किसान कल्याण	1,15,827	1,31,531	1,26,808	1,32,514	4.5%
रसायन एवं उर्वरक	1,29,510	80,715	1,41,735	1,07,715	-24.0%
संचार	60,903	75,265	54,517	1,05,407	93.3%
शिक्षा	84,219	93,224	88,002	1,04,278	18.5%
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण	80,694	73,932	86,001	86,201	0.2%
जल शक्ति	23,199	69,053	69,046	86,189	24.8%
आवासन एवं शहरी मामले	46,701	54,581	73,850	76,549	3.7%
अन्य मंत्रालय	13,63,136	16,41,398	17,43,372	18,39,751	5.5%
कुल व्यय	**35,09,836**	**34,83,236**	**37,70,000**	**39,44,909**	**4.6%**

स्रोत: एक्सपेंडिचर बजट, यूनियन बजट डॉक्यूमेंट्स 2022-23; पीआरएस।

- **संचार:** 2022-23 में संचार मंत्रालय के आबंटन में 2021-22 के संशोधित अनुमानों की तुलना में 50.890 करोड़ रुपए की वृद्धि (93%) का अनुमान है। ऐसा मुख्य रूप से बीएसएनएल में 44,720 करोड़ रुपए के कैपिटल इंफ्यूजन के कारण हुआ है।
- **सड़क परिवहन एवं राजमार्ग:** 2022-23 में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के आबंटन में 2021-22 के संशोधित अनुमानों की तुलना में 67,959 करोड़ रुपए की वृद्धि (52%) का अनुमान है ऐसा राष्ट्रीय राजमार्ग अथॉरिटी में निवेश में वृद्धि के कारण हुआ है (2021-22 में 65,060 करोड़ रुपए की तुलना में 2022-23 में 1,34,015 करोड़ रुपए)।
- 2021-22 में कोविड़-19 वैक्सीन्स के लिए राज्यों को 39,000 करोड़ रुपए का हस्तांतरण किया गया जोकि 35,000 करोड़ रुपए के बजट अनुमान से अधिक था। 2022-23 के लिए आबंटन 5,000 करोड़ रुपए है।
- उपभोक्ता मामलों, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण, और रसायन एवं उर्वरक मंत्रालयों के आबंटनों में क्रमश: खाद्य सबसिडी एवं उर्वरक सबसिडी में कमी के कारण गिरावट हुई। हम सबसिडी पर यहां चर्चा कर रहे हैं।
- **सबसिडी पर व्यय:** 2022-23 में सब्सिडी पर कुल खर्च 3,55,639 करोड़ रुपए होने का अनुमान है जो 2021-22 के संशोधित अनुमान 27.1% कम है (तालिका 5)।
- **खाद्य सबसिडी:** 2022-23 में खाद्य सब्सिडी का आबंटन 2,06,831 करोड़ रुपए होने का अनुमान है जो 2021-22 के संशोधित अनुमान से 27.8% कम है। 2020-21 और 2021-22 में निम्नलिखित के कारण अधिक खाद्य सब्सिडी का प्रावधान किया गया था: (i) प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना जो गरीबों को कोविड-19 के प्रभाव को कम करने के लिए मुफ्त खाद्यान्न प्रदान करती है, और (ii) भारतीय खाद्य निगम के ऋण को चुकाने के लिए।
- **उर्वरक सबसिडी:** 2022-23 में उर्वरक सब्सिडी पर 1,05,222 करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान है। यह 2021-22 के संशोधित अनुमान से 34,900 करोड़ रुपए कम है। दिसंबर 2021 में अनुपूरक मांगों के अंतर्गत 2021-22 के लिए उर्वरक सब्सिडी में काफी वृद्धि की गई थी। ऐसा उर्वरकों के निर्माण में उपयोग किए जाने वाले कच्चे माल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में तेज वृद्धि के कारण था ।
- **पेट्रोलियम सबसिडी:** पेट्रोलियम सबसिडी में एलपीजी और केरोसिन सबसिडी शामिल हैं। 2021-22 और 2022-23 में केरोसिन सब्सिडी का बजट नहीं दिया गया है एलपीजी सब्सिडी पर खर्च 2022-23 में 10.8% घटकर 5,813 करोड़ रुपए रहने का अनुमान है।
- **अन्य सबसिडी:** अन्य सब्सिडी के व्यय में विभिन्न सरकारी योजनाओं के लिए ब्याज सब्सिडी, कृषि उपज की मूल्य रागर्थन योजना के लिए सब्सिडी और खरीद के लिए राज्य एजेंसियों को राहायता इत्यादि शामिल हैं। 2022-23 में अन्य सब्सिडी पर खर्च 2021-22 के संशोधित अनुमान से 31% कम होने का अनुमान है।

तालिका 5: 2022-23 में सब्सिडी (करोड़ रुपए में)

	वास्तविक 2020-21	बजटीय 2021-22	संशोधित 2021-22	बजटीय 2022-23	परिवर्तन का % (संअ 2021-22 से बअ 2022-23)
खाद्य सबसिडी	5,41,330	2,42,836	2,86,469	2,06,831	-27.8%
उर्वरक सबसिडी	1,27,922	79,530	1,40,122	1,05,222	-24.9%
पेट्रोलियम सबसिडी	38,455	14,073	6,517	5,813	-10.8%
अन्य सबसिडी	50,459	33,460	54,763	37,773	-31.0%
कुल	**7,58,165**	**3,69,899**	**4,87,872**	**3,55,639**	**-27.1%**

स्रोत: एक्सपेंडिचर प्रोफाइल, यूनियन बजट डॉक्यूमेंट्स 2022-23; पीआरएस।

मुख्य योजनाओं पर व्यय

तालिका 6: 2022-23 में योजनाओं के लिए आबंटन (करोड़ रुपए में)

	वास्तविक 2020-21	बजटीय 2021-22	संशोधित 2021-22	बजटीय 2022-23	परिवर्तन का % (संअ 2021-22 से बअ 2022-23)
मनरेगा	1,11,170	73,000	98,000	73,000	-25.5%
पीएम-किसान	60,990	65,000	67,500	68,000	0.7%
जल जीवन मिशन/राष्ट्रीय ग्रामीण पेय जल मिशन	10,998	50,011	45,011	60,000	33.3%
प्रधानमंत्री आवास योजना	40,260	27,500	47,390	48,000	1.3%
राष्ट्रीय शिक्षा मिशन	28,088	34,300	30,796	39,553	28.4%
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन	37,478	37,130	34,947	37,800	8.2%
सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0*	-	20,105	20,000	20,263	1.3%
संशोधित ब्याज सहायता योजना*	-	-	-	19,500	-
प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना	13,688	15,000	14,000	19,000	35.7%
प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना	14,161	16,000	15,989	15,500	-3.1%
राष्ट्रीय जीविका मिशन- आजीविका	10,025	14,473	12,505	14,236	13.8%
अमृत और स्मार्ट सिटीज़ मिशन	9,754	13,750	13,900	14,100	1.4%
प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना	7,877	11,588	12,706	12,954	2.0%
राष्ट्रीय कृषि विकास योजना	-	-	-	10,433	-
पीएम-पोषण *	-	-	-	10,234	-

स्रोत: * सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 अंब्रैला आईसीडीएस योजना के कुछ घटकों की जगह लाई गई है। संशोधित ब्याज सहायता योजना किसानों को अल्पकालिक ऋण के लिए ब्याज सबसिडी योजना की जगह लाई गई है (संशोधित चरण में 2021-22 में इस योजना के लिए 18,142 करोड़ रुपए का आबंटन किया गया है)। मिड-डे मील योजना के स्थान पर पीएम-पोषण योजना लाई गई है। 2021-22 में मिड-डे मील योजना के लिए संशोधित चरण में 10,234 करोड़ रुपए आबंटित किए गए हैं। स्रोत: एक्सपेंडिचर प्रोफाइल, यूनियन बजट डॉक्यूमेंट्स 2022-23; पीआरएस।

- 2022-23 में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के लिए सर्वाधिक 73,000 करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है। यह 2021-22 के संशोधित अनुमान से 25.5% कम है। इस योजना के लिए बजट स्तर पर 73,000 करोड़ रुपए का आबंटन था, लेकिन 2021-22 में कोविड-19 की दूसरी लहर के प्रभाव को कम करने के लिए संशोधित चरण में इसके लिए 98,000 करोड़ रुपए का आबंटन किया गया जिसमें बजट स्तर से 34.2% की वृद्धि है।
- 2022-23 में पीएम- किसान योजना (किसानों को आय सहायता के लिए 68,000 करोड़ रुपए का दूसरा सबसे अधिक आबंटन किया गया है। योजना के आवंटन में 2021-22 के संशोधित अनुमान की तुलना में 0.7% की मामूली वृद्धि देखी गई है।
- 2022-23 में जिन योजनाओं के आवंटन में तुलनात्मक रूप से अधिक वृद्धि हुई है, वे हैं: (i) प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (35.7%), (ii) जल जीवन मिशन (33.3%), और (ii) राष्ट्रीय शिक्षा मिशन (28.4%)

➢ अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति उप योजनाओं और महिलाओं, बच्चों और पूर्वोत्तर क्षेत्र की योजनाओं पर व्यय

☞ 2022-23 में महिला एवं बाल कल्याण संबंधी कार्यक्रमों के लिए 2,63,743 करोड़ रुपए का आबंटन किया गया, जिसमें 2021-22 के संशोधित अनुमान की तुलना में 7.1% की गिरावट है। इस आबंटन में सभी मंत्रालयों के अंतर्गत आने वाले कार्यक्रम शामिल हैं।

☞ 2022-23 में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के आवंटनों में क्रमशः 1.7% और 2% की वृद्धि होने का अनुमान है। पूर्वोत्तर क्षेत्र के आबंटन में 2021-22 के संशोधित अनुमानों की तुलना में 2022-23 में 11.1% की वृद्धि होने का अनुमान है।

तालिका 7: महिलाओं, बच्चों, एससीज़, एसटीज़ और पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए आबंटन (करोड़ रुपए में)

	वास्तविक 2020-21	संशोधित 2021-22	बजटीय 2022-23	परिवर्तन का % (संअ 2021-22 से बअ 2022-23)
महिला कल्याण	1,52,099	1,66,183	1,71,006	2.9%
बाल कल्याण	77,482	80,003	92,737	15.9%
अनुसूचित जाति	71,811	1,39,956	1,42,342	1.7%
अनुसूचित जनजाति	49,433	87,473	89,265	2.0%
पूर्वोत्तर क्षेत्र	-	68,440	76,040	11.1%

स्रोत: एक्सपेंडिचर प्रोफाइल, यूनियन बजट डॉक्यूमेंट्स 2022-23; पीआरएस।

➢ राजकोषीय दायित्व और बजट प्रबंधन के लक्ष्य

☞ राजकोषीय दायित्व और बजट प्रबंधन (एफआरबीएम) एक्ट 2003 के अंतर्गत यह अपेक्षा की जाती है कि केंद्र सरकार बकाया ऋण, राजस्व घाटे और राजकोषीय घाटे को धीरे-धीरे कम करेगी। हर वर्ष केंद्र सरकार अपना बजट प्रस्तुत करते हुए इनके लिए तीन वर्ष के आवर्ती लक्ष्य प्रस्तुत करती है। उल्लेखनीय है कि 2021-22 और 2022-23 दोनों में मध्यम अवधि के राजकोषीय नीति वक्तव्य में बजट घाटे के लिए आवर्ती लक्ष्य नहीं दिए गए थे। बजट भाषण में वित्त मंत्री ने कहा है कि सरकार का लक्ष्य 2025-26 तक राजकोषीय घाटे को जीडीपी के 4.5% से कम करना है।

☞ **राजकोषीय घाटा** उन उधारियों का संकेत देता है जिनसे सरकार अपने व्यय को वित्त पोषित करती हैं। 2022-23 के लिए अनुमानित राजकोषीय घाटा जीडीपी का 6.4% है।

☞ **राजस्व घाटा** सरकार की राजस्व प्राप्तियों और व्यय के बीर का अंतर होता है। इसका यह अर्थ होता है कि सरकार को अपना व्यय पूरा करने के लिए उधार लेने की जरूरत है जिनसे भविष्य में प्राप्तियां नहीं हो सकतीं। 2022-23 के लिए अनुमानित राजस्व घाटा जीडीपी का 3.8% है।

तालिका 8: घाटों के लिए एफआरबीएम के लक्ष्य (जीडीपी का %)

	वास्तविक 2020-21	संशोधित 2021-22	बजटीय 2022-23
राजकोषीय घाटा	9.2%	6.9%	6.4%
राजस्व घाटा	7.3%	4.7%	3.8%
प्राथमिक घाटा	5.8%	3.3%	2.8%

स्रोत: मीडियम टर्म फिस्कल पॉलिसी स्टेटमेंट, बजट एट ग्लांस, यूनियन बजट डॉक्यूमेंट्स 2022-23; पीआरएस।

☞ 2021-22 में सरकार ने राजकोषीय घाटे के लिए जीडीपी का 6.8% और राजस्व घाटे के लिए जोडीपी का 5.19% बजट अनुमान निर्धारित किया था संशोधित अनुमानों के अनुसार राजकोषीय घाटा बजट अनुमान से थोड़ा अधिक 6.9% होने की उम्मीद है जबकि राजस्व घाटा 4.7% से कम रहने का अनुमान है।

☞ **प्राथमिक घाटा** राजकोषीय घाटे और ब्याज भुगतानों के बीच का अंतर होता है। 2022-23 में यह जीडीपी का 2.8% अनुमानित है।

राजकोषीय घाटा: बजटीय बनाम वास्तविक (जीडीपी का %)

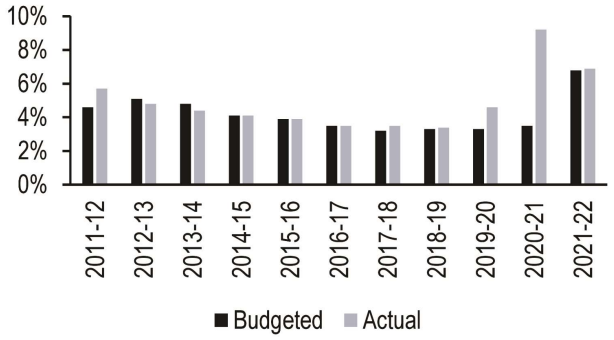

राजस्व घाटा: बजटीय बनाम वास्तविक (जीडीपी का %)

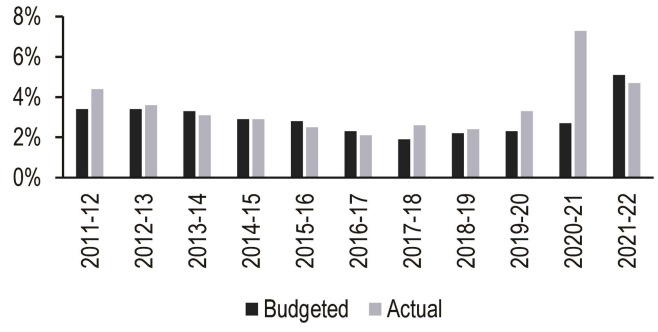

नोट: 20021-22 के आकडे संशोधित अनुमान हैं।

स्रोत: बजट एट रास यूनियन बजट डॉक्यूमेंट्स 2022-23 पीआरएस।

कुल बकाया देनदारियां (जीडीपी का %)

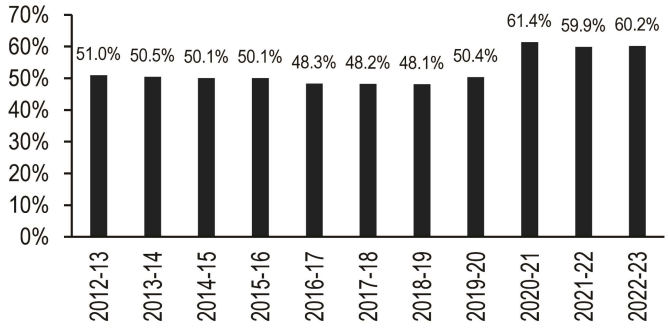

ब्याज भुगतान (राजस्व प्राप्तियों के % के रूप मे)

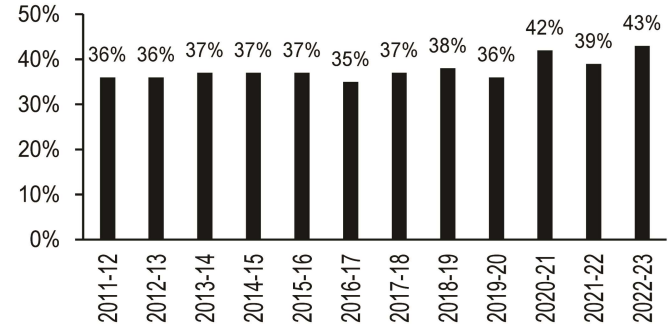

नोट: 2021-22 के आंकडे संशोधित अनुमान और 2022-23 के बजट अनुमान है।

स्रोत: इकोनॉमिक सर्वे 2021-22 यूनियन बजर डॉक्यूमेंट्स 2022-23 पीआरएस।

☞ **बकाया देनदारियां:** 2012-13 के बाद से केंद्र सरकार की बकाया देनदारियां जीडीपी के 51% से घटकर 2018-19 में जीडीपी का 48% हो गई। 2020-21 में यह बढ़कर जीडीपी का 61% हो गई। 2022-23 में इसमें मामूली गिरावट की उम्मीद है। इस वर्ष इसके 60% होने का अनुमान है।

☞ बकाया ऋण कई वर्षों की उधारियों का संग्रह होता है। अधिक ऋण का अर्थ यह होता है कि सरकार पर आने वाले वर्षो में ऋण चुकाने का अधिक बड़ा दायित्व है।

☞ राजस्व प्राप्तियों के प्रतिशत के रूप में ब्याज भुगतान 2011-12 में 36% से बढ़कर 2020-21 में 42% हो गया है। बजट अनुमान के मुताबिक 2022-23 में यह आंकड़ और बढ़कर 43% होने की उम्मीद है।

☞ **अस्वीकरण:** प्रस्तुत रिपोर्ट आपके समक्ष सूचना प्रदान करने के लिए प्रस्तुत की गई है। पीआरएस लेजिटिव रिसर्च (पीआरएस) के नाम उल्लेख के साथ इस रिपोर्ट का पूर्ण रूपेण या आशिक रूप से गैरव्यावसायिक उद्देश्य के लिए पुन प्रयोग या पुनर्वितरण किया जा सकता है। रिपोर्ट में प्रस्तुत विचार के लिए उत्त: लेखक लेखिका उतरदायी हैं। यद्यपि पीआरएस विश्वसनीय और व्यापक सूचना का प्रयोग करने का प्रयास करता है किंतु पीआरएस दावा नहीं करता कि प्रस्तुत रिपोर्ट की सामग्री सही यापूर्ण है। पीआरएस एक स्वतंत्र अलाभकारी समूह है। रिपोर्ट को इसे प्राप्त करने वाले के उद्देश्य अथवा विचारों से निरपेक्ष होकर तैयार किया गया है। यह सारश मूल रूप से अंग्रेजी में तैयार किया गया था। हिंदी रूपांतरण में किसी भी प्रकार की अस्पष्टता की स्थिति में अंग्रेजी के मूल से इसकी पुष्टि की जा सकती है।

बिहार बजट विश्लेषण 2023-24

☞ बिहार के वित्त मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी ने 28 फरवरी, 2023 को वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए राज्य का बजट प्रस्तुत किया।

➢ **बजट के मुख्य अंश**

☞ 2023-24 के लिए बिहार का सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) (मौजूदा कीमतों पर) 8.59 लाख करोड़ रुपए होने का अनुमान है जिसमें 2022-23 (7.89 लाख करोड़ रुपए) की तुलना में 8.9% की वृद्धि है।

☞ 2023-24 में व्यय (ऋण चुकौती को छोड़कर) 2,38,327 करोड़ रुपए अनुमानित है जो 2022-23 के संशोधित अनुमान से 12% कम है। इसके अलावा राज्य द्वारा 23,559 करोड़ रुपए का कर्ज चुकाया जाएगा। 2022-23 में व्यय (ऋण चुकौती को छोड़कर) बजट अनुमान से 21% अधिक अनुमानित है।

☞ 2023-24 के लिए प्राप्तियां (उधारियों को छोड़कर) 2.12,759 करोड़ रुपए होने का अनुमान है जो 2022- 23 के संशोधित अनुमान से 6% अधिक है। 2022-23 में प्राप्तियां (उधारियों को छोड़कर) बजट अनुमान से 2% अधिक होने का अनुमान है।

☞ 2023-24 में राजस्व अधिशेष 4,479 करोड़ रुपए (जीएसडीपी का 0.5%) होने का अनुमान है। 2022-23 राज्य को संशोधित अनुमानों (जीएसडीपी का 3.6%) के अनुसार 28,349 करोड़ रुपए के राजस्व घाटे की उम्मीद है। राज्य ने बजट स्तर पर 2022-23 में 4,748 करोड़ रुपए के राजस्व अधिशेष (जीएसडीपी का 0.6%) का अनुमान लगाया था।

☞ 2023-24 में राजकोषीय घाटा जीएसडीपी के 3% (25,568 करोड़ रुपए) पर लक्षित है। 2022-23 में संशोधित अनुमानों के अनुसार, राजकोषीय घाटा जीएसडीपी का 8.8% रहने की उम्मीद है जो जीएसडीपी के 3.5% के बजट अनुमान से काफी अधिक है। यह देखते हुए कि 2022-23 के लिए अनुमत राजकोषीय घाटे की सीमा जीएसडीपी का 4% है, संशोधित अनुमानों के बने रहने की संभावना नहीं है।

➢ **नीतिगत विशिष्टताएं**

☞ **कृषि:** कई मिशन शुरू करने का प्रस्ताव है:

(i) बिहार मिलेट मिशन

(ii) बिहार दलहन और तिलहन विकास मिशन, और

(iii) फसल विविधीकरण मिशन। दलहन और तिलहन पर विशेष ध्यान देते हुए चौथा कृषि रोडमैप लागू किया जाएगा। राज्य कृषि मण्डी प्रांगणों (यार्ड्स) की अवसंरचना का आधुनिकीकरण किया जाएगा।

☞ **भूजल संरक्षण:** भूजल संरक्षण के लिए उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किया जाएगा।

☞ **सरकारी भर्ती:** बिहार लोक सेवा आयोग, कर्मचारी चयन आयोग और तकनीकी सेवा आयोग द्वारा कुल 63,900 पदों को भरने के लिए मांग पत्र दिया गया है। पुलिस में 75,543 पदों के सृजन की स्वीकृति दी गई है।

➢ बिहार की अर्थव्यवस्था

☞ जीएसडीपी 2021-22 में बिहार की जीएसडीपी (स्थिर कीमतों पर) पिछले वर्ष के निम्न आधार पर 11% बढ़ने का अनुमान है। 2020-21 में बिहार की जीएसडीपी में 3.2% की कमी आई थी। इसकी तुलना में, 2020-21 में 5.8% के संकुचन के बाद, 2021-22 में राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद को धीमी दर से 91% बढ़ने का अनुमान है (क्रमश: 28 फरवरी, 2023 को जारी पहले संशोधित अनुमान और दूसरे संशोधित अनुमान के अनुसार)।

☞ **क्षेत्र:** 2021-22 मै कृषि, मैन्यूफैक्चरिंग और सेवा क्षेत्रों का बिहार की अर्थव्यवस्था में क्रमश: 26%, 15% और 59% योगदान करने का अनुमान है (मौजूदा कीमतों पर)।

☞ **बेरोजगारी:** आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (जुलाई 2021 जून 2022) के अनुसार, बिहार में बेरोजगारी दर 6% थी जो राष्ट्रीय स्तर पर बेरोजगारी दर (4.1%) से अधिक थी। 15-29 वर्ष आयु वर्ग के लिए, बिहार में बेरोजगारी दर 20.1% थी. जो राष्ट्रीय स्तर (12.4%) से अधिक थी।

रेखाचित्र 1: बिहार में स्थिर मूल्यों पर (2011-12) जीएसडीपी और विभिन्न क्षेत्रों में वृद्धि

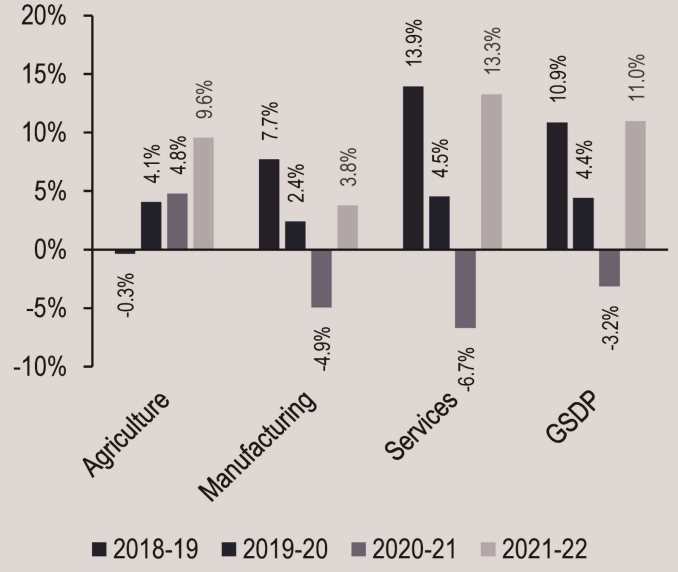

नोट: ये संख्या स्थिर मूल्यों (2011-12) के अनुसार हैं, जिसका अर्थ है कि विकास दर को मुद्रास्फीति के लिए समायोजित किया गया है।
स्रोत: बिहार आर्थिक सर्वेक्षण 2022-23; पीआरएस।

➢ 2023-24 के लिए बजट अनुमान

☞ 2023-24 में 2,38,327 करोड़ रुपए कुल व्यय (ऋण अदायगी को छोड़कर) का लक्ष्य रखा गया है जो 2022-23 के संशोधित अनुमान से 12% कम है। इस व्यय को 2,12,759 करोड़ रुपए की प्राप्तियों (उधारियाँ को छोड़कर) और 25,768 करोड़ रुपए की शुद्ध उधारी के माध्यम से पूरा करने का प्रस्ताव है। 2023-24 में कुल प्राप्तियों (उधार के अलावा) में 2022-23 के संशोधित अनुमान की तुलना में 6% की वृद्धि दर्ज करने की उम्मीद है।

☞ **संशोधित अनुमानों की विश्वसनीयता :** बजट दस्तावेजों में प्रस्तुत संशोधित अनुमानों का उद्देश्य चालू वित्तीय वर्ष की अधिक यथार्थवादी तरवीर प्रदान करना है। हालांकि बिहार में संशोधित स्तर पर व्यय अनुमान अक्सर अवास्तविक होते हैं जिसके कारण राजकोषीय घाटे का अनुमान अनुमत सीमा से बहुत अधिक होता है। 2020-21, 2021-22 और 2022-23 में, संशोधित अनुमानों के अनुसार, राजकोषीय घाटा जीएसडीपी के प्रतिशत के रूप में क्रमश: 6.8%, 11.3% और 8.8% रहने की उम्मीद थी। 2021-22 के संशोधित चरण में व्यय अनुमान बजट अनुमान से 18% अधिक था, हालांकि 2021-22 में वास्तविक व्यय बजट अनुमान से 12% कम है (अनुलग्नक II में तालिका 7 देखें)।

☞ 2023-24 में राज्य ने 4,479 करोड़ रुप्ए के राजस्व अधिशेष का अनुमान लगाया है जो जीएसडीपी का 0.5% हैं इसकी तुलना में 2022-23 में राज्य को 28,349 करोड़ रुपए (जीएसडीपी का 3.6%) के राजस्व घाटे की उम्मीद है। 2023- 24 में राजकोषीय घाटा जीएसडीपी का 3% अनुमानित है जो केंद्रीय बजट 2023-24 के अनुसार केंद्र सरकार द्वारा अनुमत जीएसडीपी के 3.5% की सीमा के भीतर है (जिसमें से जीएसडीपी का 0. 5% बिजली क्षेत्र में सुधार करने पर उपलब्ध कराया जाएगा)।

☞ 2022-23 में, संशोधित अनुमानों के अनुसार, व्यय (ऋण चुकौती को छोड़कर) बजट अनुमान से 21% अधिक होने की उम्मीद हैं। इसकी तुलना में, प्राप्तियां (उधार को छोड़कर) बजट अनुमान से केवल 2% अधिक होने की उम्मीद है। नतीजतन, राज्य का राजस्व घाटा और राजकोषीय घाटा संबंधित बजट अनुमानों से काफी अधिक होने की उम्मीद है। संशोधित अनुमानों के अनुसार 2022-23 में राजकोषीय घाटा जीएसडीपी का 8.8% रहने की उम्मीद है। यह देखते हुए कि 2022-23 के लिए अनुमत राजकोषीय घाटे की सीमा जीएसडीपी का 4% है, इन संशोधित अनुमानों के बने रहने की संभावना नहीं है। इसलिए 2022-23 में वास्तविक व्यय संशोधित अनुमान से काफी कम हो सकता है।

तालिका 1: बजट 2023-24 के मुख्य आंकड़े (करोड़ रुपए में)

मद	2021-22 वास्तविक	2022-23 बजटीय	2022-23 संशोधित	बअ 2022-23 से संअ 2022-23 में परिवर्तन का %	2023-24 बजटीय	संअ 2022-23 से बअ 2023-24 में परिवर्तन का %
कुल व्यय	1,93,123	2,37,691	2,85,519	20%	2,61,885	-8%
(-) ऋण का पुनर्भुगतान	8,746	14,670	14,670	0%	23,559	61%
शुद्ध व्यय (E)	**1,84,377**	**2,23,021**	**2,70,849**	**21%**	**2,38,327**	**-12%**
कुल प्राप्तियां	1,99,270	2,37,892	2,50,792	5%	2,62,085	5%
(-) उधारियां	40,445	40,756	49,327	21%	49,327	0%
शुद्ध प्राप्तियां (R)	**1,58,825**	**1,97,136**	**2,01,465**	**2%**	**2,12,759**	**6%**
राजकोषीय घाटा (E-R)	**25,551**	**25,885**	**69,384**	**168%**	**25,568**	**-63%**
जीएसडीपी का %	3.8%	3.5%	8.8%		3.0%	
राजस्व संतुलन*	**-422**	**4,748**	**-28,349**	**-697%**	**4,479**	**-116%**
जीएसडीपी का %	-0.1%	0.6%	-3.6%		0.5%	
प्राथमिक घाटा	**11,729**	**9,580**	**53,079**	**454%**	**7,213**	**-86%**
जीएसडीपी का %	1.7%	1.3%	6.7%		0.8%	

नोट: बअ- बजट अनुमान; संअ- संशोधित अनुमान। *पॉजिटिव चिन्ह अधिशेष और नेगेटिव चिन्ह घाटा दर्शाता है।

स्रोत: वार्षिक वित्तीय वक्तव्य, बजट संक्षिप्त में, एफआरबीएम वक्तव्य, बिहार बजट 2023-24; पीआरएस।

➢ **<u>2023-24 में व्यय</u>**

☞ 2023-24 के लिए राजस्व व्यय 2,07,848 करोड़ रुपए प्रस्तावित है जो 2022-23 के संशोधित अनुमान से 9% कम है। इसमें वेतन, पेंशन, ब्याज अनुदान और सबसिडी पर खर्च शामिल है। 2022-23 में राजस्व व्यय बजट अनुमान से 19% अधिक रहने का अनुमान है।

☞ **संशोधित अनुमानों की विश्वसनीयता:** बजट दस्तावेजों में प्रस्तुत संशोधित अनुमानों का उद्देश्य 9-10 महीनों के वास्तविक आकड़ों के आधार पर चालू वित्तीय वर्ष की अधिक यथार्थवादी तस्वीर प्रदान करना है। हालांकि बिहार में संशोधित स्तर पर व्यय अनुमान अक्सर अवास्तविक होते हैं, जिसके कारण राजकोषीय घाटे का अनुमान अनुमत सीमा से बहुत अधिक होता है। 2020-21, 2021-22 और 2022-23 में संशोधित अनुमानों के अनुसार, राजकोषीय घाटा जीएसडीपी के % के रूप में 6.8% 11.3% और 8.8% रहने की उम्मीद थी। 2020-21 और 2021-22 में वास्तविक के अनुसार जीएसडीपी के ऋ के रूप लिए संशोधित स्तर पर व्यय अनुमान बजट अनुमान से 18% था, हालांकि 2021-22 में वास्तविक व्यय बजट अनुमान से 12% कम है (अनुलग्नक II में तालिका 7)।

☞ 2023-24 के लिए पूंजी परिव्यय क्रमशः 29,257 करोड़ रुपए प्रस्तावित है जो 2022-23 के संशोधित अनुमान से 26% कम है। पूंजी परिव्यय परिसंपत्ति निर्माण संबंधी व्यय को अधिक था, हालांकि 2021-22 में वास्तविक व्यय बजट अनुमान से दर्शाता है। 2022-23 के संशोधित अनुमानों के अनुसार, पूंजी परिव्यय बजट अनुमान से 33% अधिक होने की उम्मीद हैं।

तालिका 2: बजट 2023-24 में व्यय (करोड़ रुपए में)

मद	2021-22 वास्तविक	2022-23 बजटीय	2022-23 संशोधित	बअ 2022-23 से संअ 2022-23 में परिवर्तन का %	2023-24 बजटीय	संअ 2022-23 से बअ 2023-24 में परिवर्तन का %
राजस्व व्यय	1,59,220	1,91,957	2,29,382	19%	2,07,848	-9%
पूंजीगत परिव्यय	23,678	29,750	39,675	33%	29,257	-26%
राज्यों द्वारा दिए गए ऋण	1,479	1,315	1,792	36%	1,221	-32%
शुद्ध व्यय	**1,84,377**	**2,23,021**	**2,70,849**	**21%**	**2,38,327**	**-12%**

स्रोत: वार्षिक वित्तीय वक्तव्य, बिहार बजट 2023-24; पीआरएस।

☞ **क्षेत्रवार व्यय:** राज्य के प्रतिबद्ध व्यय में आम तौर पर वेतन, पेंशन और ब्याज के भुगतान पर व्यय शामिल होता है। 2023-24 में बिहार द्वारा प्रतिबद्ध व्यय पर 78,910 करोड़ रुपए खर्च करने का अनुमान है जो इसकी राजस्व प्राप्तियों का 37% है। इसमें वेतन (राजस्व प्राप्तियों का 15%), पेंशन (14%) और ब्याज (9%) पर खर्च शामिल है। 2022-23 में औसतन राज्यों ने अपनी राजस्व प्राप्तियों का 54% प्रतिबद्ध व्यय मदों के लिए आबंटित किया था। बिहार में कम प्रतिबद्ध व्यय मुख्य रूप से वेतन पर कम खर्च के कारण है। 2023-24 में पेंशन और ब्याज भुगतान में पिछले वर्ष की तुलना में क्रमश: 16% और 13% की वृद्धि होने की उम्मीद है, जबकि वेतन पर होने वाले खर्च में 4% की वृद्धि होने की उम्मीद है।

तालिका 3: 2023-24 में प्रतिबद्ध व्यय (करोड़ रुपए में)

मद	2021-22 वास्तविक	2022-23 बजटीय	2022-23 संशोधित	बअ 2022-23 से संअ 2022-23 में परिवर्तन का %	2023-24 बजटीय	संअ 2022-23 से बअ 2023-24 में परिवर्तन का %
वेतन	22,238	29,750	29,963	1%	31,119	4%
पेंशन	20,258	24,252	25,468	5%	29,437	16%
ब्याज भुगतान	13,822	16,305	16,305	0%	18,354	13%
कुल प्रतिबद्ध व्यय	**56,317**	**70,307**	**71,736**	**2%**	**78,910**	**10%**

स्रोत: वार्षिक वित्तीय वक्तव्य, बजट संक्षिप्त में, बिहार बजट 2023-24; पीआरएस।

☞ **क्षेत्रवार व्यय:** 2022-23 के दौरान बिहार के बजटीय व्यय का 66% हिस्सा निम्नलिखित क्षेत्रों के लिए खर्च किया जाएगा। अनुलग्नक 1 में प्रमुख क्षेत्रों में बिहार के व्यय की तुलना, अन्य राज्यों से की गई है।

तालिका 4: बिहार बजट 2023-24 में क्षेत्रवार व्यय (करोड़ रुपए में)

क्षेत्र	2021-22 वास्तविक	2022-23 बजटीय	2022-23 संशोधित	2023-24 बजटीय	संअ 2022-23 से बअ 23-24 में परिवर्तन का %	क्षेत्र
शिक्षा, खेल, कला एवं संस्कृति	35,530	40,828	55,111	42,381	-23%	▪ वेतन के लिए स्कूलों को सहायता हेतु अनुदान के रूप में 17,789 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। शिक्षा विभाग के लिए वेतन और भत्तों हेतु 6,397 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।
ग्रामीण विकास	19,095	23,553	27,667	25,270	-9%	▪ मनरेगा के लिए 3,852 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। पीएमजीएसवाई के लिए 3,610 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण	11,510	15,898	20,183	16,704	-17%	▪ शहरी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं के प्रावधान के लिए 3,691 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। स्वास्थ्य सेवाओं पर पूंजी परिव्यय के लिए 1,830 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।
समाज कल्याण एवं पोषण	13,452	13,208	17,531	14,763	-16%	▪ मुख्यमंत्री वृद्धजन पेंशन योजना के लिए 1,029 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।
पुलिस	8,875	11,911	12,353	11,686	-5%	▪ जिला पुलिस के लिए 6,345 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।
ऊर्जा	10,426	11,376	16,439	11,436	-30%	▪ सस्ती बिजली पर सबसिडी के लिए 9,103 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।
परिवहन	8,963	9,002	12,692	9,887	-22%	▪ सड़कों और पुलों पर पूंजी परिव्यय के लिए 3,986 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।
शहरी विकास	5,587	7,133	7,133	8,783	23%	▪ स्मार्ट सिटी मिशन के लिए 940 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।
कृषि एवं संबद्ध गतिविधियां	3,428	7,712	9,520	7,726	-19%	▪ कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं के तहत सबसिडी के लिए 415 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इसमें कृषि मशीनीकरण के लिए 100 करोड़ रुपये की सबसिडी शामिल है।
आवासन	7,112	9,405	12,543	7,504	-40%	▪ इंदिरा आवास/प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए 6,789 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।
सभी क्षेत्रों में कुल व्यय का %	**68%**	**68%**	**71%**	**66%**	**-7%**	

स्रोत: वार्षिक वित्तीय वक्तव्य, बिहार बजट 2023-24; पीआरएस।

तालिका 4: बिहार बजट 2023-24 में क्षेत्रवार व्यय (करोड़ रुपए में)

क्षेत्र	2021-22 वास्तविक	2022-23 बजटीय	2022-23 संशोधित	2023-24 बजटीय	संअ 2022-23 से बअ 23-24 में परिवर्तन का %
शिक्षा, खेल, कला एवं संस्कृति	35,530	40,828	55,111	42,381	-23%
ग्रामीण विकास	19,095	23,553	27,667	25,270	-9%
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण	11,510	15,898	20,183	16,704	-17%
समाज कल्याण एवं पोषण	13,452	13,208	17,531	14,763	-16%
पुलिस	8,875	11,911	12,353	11,686	-5%
ऊर्जा	10,426	11,376	16,439	11,436	-30%
परिवहन	8,963	9,002	12,692	9,887	-22%
शहरी विकास	5,587	7,133	7,133	8,783	23%
कृषि एवं संबद्ध गतिविधियां	3,428	7,712	9,520	7,726	-19%
आवासन	7,112	9,405	12,543	7,504	-40%
सभी क्षेत्रों में कुल व्यय का %	**68%**	**68%**	**71%**	**66%**	**-7%**

स्रोत: वार्षिक वित्तीय वक्तव्य, बिहार बजट 2023-24; पीआरएस।

➢ **2023-24 में प्राप्तियां**

☞ 2023-24 के लिए कुल राजस्व प्राप्ति 2,12,327 करोड़ रुपए होने का अनुमान है जो 2022-23 के संशोधित अनुमान से 6% अधिक है। इसमें से 56,212 करोड़ रुपए (26%) राज्य द्वारा अपने संसाधनों से जुटाए जाएंगे, और 1,56,115 करोड़ रुपए (74%) केंद्र से प्राप्त होंगे। केंद्र से संसाधन केंद्रीय करों (राजस्व प्राप्तियों का 49%) और अनुदान (राजस्व प्राप्तियों का 25%) में राज्य के हिस्से के रूप में होंगे।

☞ **राज्य का स्वयं कर राजस्व:** बिहार का कुल कर राजस्व 2023-24 में 49,700 करोड़ रुपए होने का अनुमान है जो 2022-23 संशोधित अनुमानों से 20% अधिक है। जीएसडीपी के प्रतिशत के रूप में स्वयं कर राजस्व 2023-24 में 5.8% अनुमानित है। 2022-23 के लिए राज्य ने बजट स्तर पर इस अनुपात को 5.5% पर अनुमानित किया था, हालांकि संशोधित अनुमानों के अनुसार, यह कम (5.2%) होने की उम्मीद है।

☞ **केंद्र से हस्तांतरण:** 2023-24 में केंद्रीय करों में राज्य की हिस्सेदारी 1,02,737 करोड़ रुपए अनुमानित है जो 2022-23 के संशोधित अनुमान से 8% अधिक है। 2023-24 के लिए केंद्र से अनुदान के रूप में प्राप्तियां 53,378 करोड़ रुपए होने का अनुमान हैं जो पिछले वर्ष की तुलना में 8% कम है। कम अनुदान के प्रमुख कारणों में से एक यह है कि जून 2022 से जीएसटी क्षतिपूर्ति अनुदान बंद हो गया है।

तालिका 5: राज्य सरकार की प्राप्तियों का ब्रेकअप (करोड़ रुपए में)

स्रोत	2021-22 वास्तविक	2022-23 बजटीय	2022-23 संशोधित	बअ 2022-23 से संअ 2022-23 में परिवर्तन का %	2023-24 बजटीय	संअ 2022-23 से बअ 2023-24 में परिवर्तन का %
राज्य के स्वयं कर	34,855	41,387	41,387	0%	49,700	20%
राज्य के स्वयं गैर कर	3,984	6,136	6,136	0%	6,512	6%
केंद्रीय करों में हिस्सेदारी	91,353	91,181	95,510	5%	1,02,737	8%
केंद्र से अनुदान	28,606	58,001	58,001	0%	53,378	-8%
राजस्व प्राप्तियां	**1,58,797**	**1,96,705**	**2,01,034**	**2%**	**2,12,327**	**6%**
गैर ऋण पूंजीगत प्राप्तियां	28	432	432	0%	432	0%
शुद्ध प्राप्तियां	**1,58,825**	**1,97,136**	**2,01,465**	**2%**	**2,12,759**	**6%**

नोट: बअ- बजट अनुमान; संअ- संशोधित अनुमान।

स्रोत: वार्षिक वित्तीय वक्तव्य, बिहार बजट 2023-24; पीआरएस।

- 2023-24 में अनुमान है कि राज्य जीएसटी स्वंय कर राजस्व का सबसे बड़ा स्रोत होगा (63%) एसजीएसटी राजस्व 2022-23 के संशोधित अनुमान की तुलना में 26% बढ़ने का अनुमान है।
- 2022-23 में बजट अनुमानों की तुलना में किसी भी कर स्रोत से राजस्व में कोई बदलाव की उम्मीद नहीं है। 2022-23 के बजट में भी यह प्रवृत्ति देखी गई थी, जहां 2021-22 में स्वयं के कर स्रोतों से राजस्व के संशोधित अनुमान बजट अनुमान के समान थे। हालांकि 2021-22 में इन स्रोतों से वास्तविक राजस्व, जैसा कि 2023-24 के बजट में प्रस्तुत किया गया था, इन अनुमानों से काफी अलग है
- **सरकारी वित्त पर प्रतिबंध का प्रभाव–** बिहार ने 2016 में शराब पर प्रतिबंध लगाया था। शराब राज्य के उत्पाद शुल्क का प्राथमिक स्रोत था। 2012-13 और 2015-16 के बीच राज्य उत्पाद शुल्क से राजस्व जीएसडीपी के 0.8% - 1% के बीच था। राज्य सरकार ने 2015-16 में राज्य उत्पाद शुल्क से 3,142 करोड़ रुपए कमाए जो 2016-17 में घटकर 30 करोड़ रुपए रह गया और तब से नगण्य हो गया है। इसकी तुलना में 2022-23 में राज्य उत्पाद शुलक से जीएसडीपी का लगभग 1% औसत बजटीय राजस्व प्राप्त करते हैं।

तालिका 6: राज्य के स्वयं कर राजस्व के मुख्य स्रोत (करोड़ रुपए में)

कर	2021-22 वास्तविक	2022-23 बजटीय	2022-23 संशोधित	बअ 2022-23 से संअ 2022-23 में परिवर्तन का %	2023-24 बजटीय	संअ 2022-23 से बअ 2023-24 में परिवर्तन का %
राज्य जीएसटी	19,264	24,721	24,721	0%	31,111	26%
सेल्स टैक्स/वैट	6,872	7,210	7,210	0%	7,934	10%
स्टाम्प ड्यूटी और पंजीकरण शुल्क	5,224	5,500	5,500	0%	6,300	15%
वाहन कर	2,475	3,000	3,000	0%	3,300	10%
भू राजस्व	284	500	500	0%	550	10%
बिजली पर टैक्स और ड्यूटी	596	287	287	0%	330	15%
जीएसटी क्षतिपूर्ति अनुदान	1,945	3,500	3,500	0%	0	-100%
जीएसटी क्षतिपूर्ति ऋण	7,111	0	0	-	0	-

स्रोत: वार्षिक वित्तीय विवरण, राजस्व और पूंजीगत प्राप्तियों पर विस्तृत विवरण, बिहार बजट 2023-24; पीआरएस।

➢ 2023-24 के लिए घाटे, ऋण और एफआरबीएम के लक्ष्य

☞ बिहार के राजकोषीय दायित्व और बजट प्रबंधन (एफआरबीएम) एक्ट, 2006 में राज्य सरकार की बकाया देनदारियों, राजस्व घाटे और राजकोषीय घाटे को प्रगतिशील तरीके से कम करने के लक्ष्यों का प्रावधान में।

☞ **राजस्व अधिशेष:** यह सरकार की राजस्व प्राप्तियों और व्यय के बीच का अंतर होता है। राजस्व अधिशेष का यह अर्थ होता है कि सरकार का राजस्व अपना व्यय पूरा करने के लिए पर्याप्त है जिससे भविष्य में पूंजीगत परिसंपत्तियों का सृजन नहीं होगा और न ही देनदारियां कम होंगी। बजट में 2023-24 में 4,479 करोड़ रुपए (जीएसडीपी का 0.5%) के राजस्व अधिशेष का अनुमान लगाया गया है। 2022-23 में संशोधित अनुमानों के अनुसार राज्य को बजट स्तर पर 4,748 करोड रुपए (जीएसडीपी का 0.6%) के राजस्व अधि शेष के लक्ष्य के मुकाबले 28,349 करोड़ रुपए (जीएसडीपी का 3.6%) का राजस्व घाटा दर्ज करने की उम्मीद है। 2021-22 में राज्य ने 422 करोड़ रुपए (जीएसडीपी का 0.1%) का राजस्व घाटा दर्ज किया।

☞ **राजकोषीय घाटा:** यह कुल प्राप्तियों पर कुल व्यय की अधिकता होता है। यह अंतर सरकार द्वारा उधारियों के जरिए पूरा किया जाता है और राज्य सरकार की कुल देनदारियों में वृद्धि करता है। 2023-24 में राजकोषीय घाटा जीएसडीपी का 3% रहने का अनुमान है। यह केंद्रीय बजट के अनुसार 2023-24 के लिए केंद्र सरकार द्वारा अनुमत जीएसडीपी के 3.5% की सीमा के भीतर है (जिसमें से जीएसडीपी का 0.5% बिजली क्षेत्र में सुधार करने पर उपलब्ध कराया जाएगा। संशोधित अनुमानों के अनुसार 2022-23 में राज्य का राजकोषीय घाटा जीएसडीपी का 8.8% रहने की उम्मीद है जो जीएसडीपी के 3.5% के बजट अनुमान से काफी अधिक है। यह 2022-23 के लिए केंद्र सरकार द्वारा अनुमत 4% की सीमा से भी काफी है (जिसमें से जीएसडीपी का 0.5% बिजली क्षेत्र में सुधार करने पर उपलब्ध होता है)। इसलिए यह अधिक अनुमान (ओवरएस्टिमेट) हो सकता है।

☞ 2021-22 में भी संशोधित चरण में राज्य ने बजट अनुमान से 18% अधिक व्यय (ऋण चुकौती को छोड़कर) के साथ जीएसडीपी के 11.3% के राजकोषीय घाटे का अनुमान लगाया। हालांकि 2023-24 के बजट में प्रस्तुत वास्तविक आंकड़ों के अनुसार, 2021-22 में राजकोषीय घाटा जीएसडीपी का 3.8% था (केंद्र सरकार द्वारा अनुमत जीएसडीपी के 4.5% की सीमा के भीतर)।

☞ **बकाया देनदारियां:** वित्तीय वर्ष के अंत में राज्य की कुल उधारियां जमा होकर बकाया देनदारियां बन जाती हैं। इसमें लोक लेखा की देनदारियां भी शामिल हैं। 2023-24 के अंत में राज्य की बकाया देनदारियों के जीएसडीपी 37.8% होने का अनुमान है। 2020-21 और 2021-22 में व्यय को वित्त पोषित करने के लिए उधारियों पर बढ़ती निर्भरता के कारण हाल के वर्षों में बकाया देनदारियां बढ़ी हैं। 2025-26 के अंत में बकाया देनदारियों के जीएसडीपी के 37% तक कम होने की उम्मीद है।

रेखाचित्र 2: राजस्व एवं राजकोषीय संतुलन (जीएसडीपी का %)

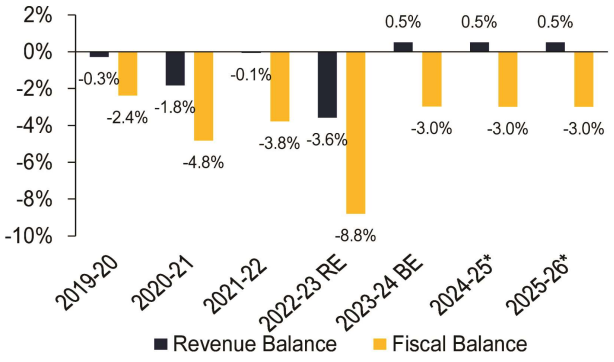

नोट: *2024-25 और 2025-26 के आंकड़े अनुमान हैं; संअ संशोधित अनुमान और बअ बजट अनुमान हैं।

स्रोत: एफआरबीएम वक्तव्य, बिहार बजट 2023-24; पीआरएस।

रेखाचित्र 3: बकाया देनदारियां (जीएसडीपी का %)

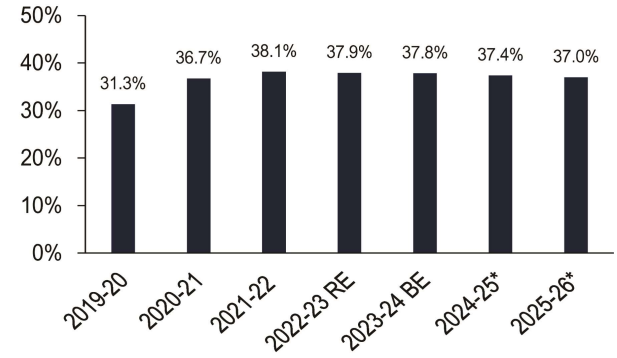

नोट: *2024-25 और 2025-26 के आंकड़े अनुमान हैं; संअ संशोधित अनुमान और बअ बजट अनुमान हैं।

स्रोत: एफआरबीएम वक्तव्य, बिहार बजट 2023-24; पीआरएस।

☞ **बकाया सरकारी गारंटियां:** राज्यों की बकाया देनदारियों में कुछ अन्य देनदारियां शामिल नहीं होती हैं जो प्रकृति में आकस्मिक होती हैं और जिन्हें राज्यों को कुछ मामलों में पूरा करना पड़ सकता है। 2021-22 के अंत में बकाया गारंटी जीएसडीपी के 3.7% होने का अनुमान है। 2020-21 के अंत में यह जीएसडीपी का 2.7% थी, और तब से इसमें तेज वृद्धि हुई है।

☞ **अस्वीकरण:** प्रस्तुत रिपोर्ट आपके समक्ष सूचना प्रदान करने के लिए प्रस्तुत की गई है। आरएस लॉजेस्लेटिव रिसर्च (सीआरएस) के नाम उल्लेख के साथ इस रिपोर्ट का पूर्ण रूपेण या आंशिक रूप से गैर व्यावसायिक उद्देश्य के लिए पुन: प्रयोग या पुनर्वितरण किया जा सकता है। रिपोर्ट में प्रस्तुत विचार के लिए अत: लेखक या लेखिका उत्तरदायी है। पिपीआरएस विश्वसनीय और व्यापक सूचना का प्रयोग करने का हर संभव प्रयास करता है किंतु पीआरएस दावा नहीं करता कि प्रस्तुत रिपोर्ट की सामग्री सही या पूर्ण है। वीआरएस एक स्वतंत्र, अलाभकारी समूह है। रिपोर्ट को इसे जप्त करने वाले व्यक्तियों के उद्देश्यों अथवा विचारों से निरपेक्ष होकर तैयार किया गया

है। यह सार मूल रूप से अंग्रेजी में तैयार किया गया था। हिंदी रूपांतरण में किसी भी प्रकार की अस्पष्टता की स्थिति में अंग्रेजी के मूल सारण से इसकी पुष्टि की जा सकती है।

➢ **<u>अनुलग्नक 1: मुख्य क्षेत्रों में राज्य के व्यय की तुलना</u>**

निम्नलिखित रेखाचित्रों में छह मुख्य क्षेत्रों में अन्य राज्यों के औसत व्यय के अनुपात में बिहार के कुल व्यय की तुलना की गई है। क्षेत्र के लिए औसत उस क्षेत्र में 31 राज्यों (बिहार सहित) द्वारा किए जाने वाले औसत व्यय (2022-23 के बजटीय अनुमानों के आधार पर) को इंगित करता है।

☞ **शिक्षा:** बिहार ने 2023-24 में शिक्षा के लिए अपने व्यय का 17.9% आबंटित किया है। यह 2022-23 में राज्यों द्वारा शिक्षा के लिए औसत आबंटन (14.8%) से अधिक है।

☞ **स्वास्थ्य:** बिहार ने स्वास्थ्य के लिए अपने कुल व्यय का 7% आबंटित किया है जो राज्यों द्वारा स्वास्थ्य के लिए औसत आबंटन (6. 3%) से अधिक है।

☞ **कृषि:** बिहार ने अपने व्यय का 3.3% कृषि के लिए आबंटित किया है। यह राज्यों द्वारा कृषि के लिए औसत आबंटन (5.8%) से काफी कम है।

☞ ग्रामीण विकास बिहार ने 2023-24 में ग्रामीण विकास के लिए अपने बजट का 10.7% आबंटित किया है। यह राज्यों द्वारा औसत आवंटन (5.7%) से काफी अधिक है।

☞ **पुलिस:** बिहार ने अपने कुल व्यय का 4.9% पुलिस के लिए आबंटित किया है जो राज्यों द्वारा पुलिस पर किए जाने वाले औसत व्यय (4.3%) से अधिक है।

☞ **सड़कें और पुल:** बिहार ने सड़कों और पुलों के लिए अपने कुल व्यय का 4% आबंटित किया है जो राज्यों द्वारा औसत आबंटन (4. 5%) से कम है।

कुल बजट में शिक्षा पर व्यय का प्रतिशत

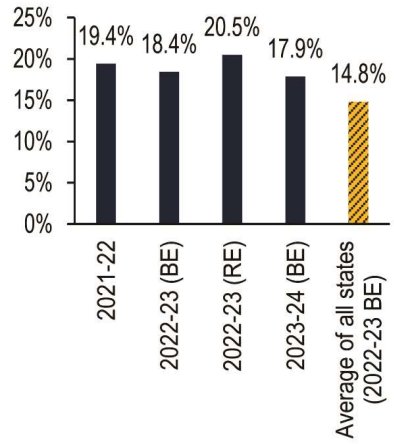

कुल बजट में स्वास्थ्य पर व्यय का प्रतिशत

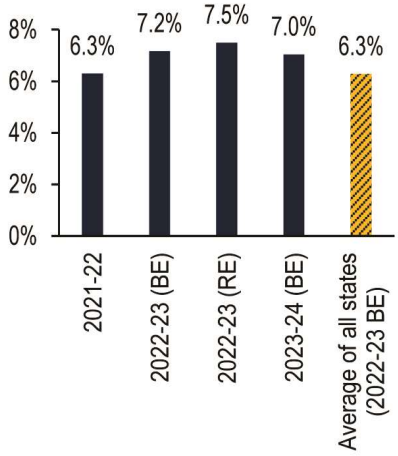

कुल बजट में कृषि पर व्यय का प्रतिशत

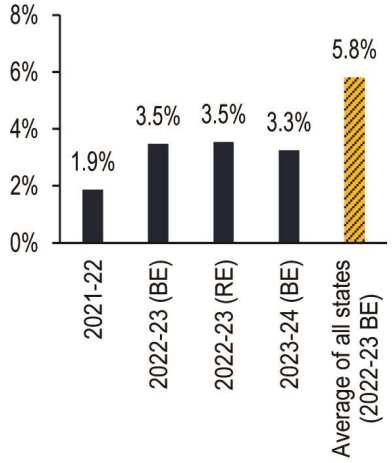

कुल बजट में ग्रामीण विकास पर व्यय का प्रतिशत

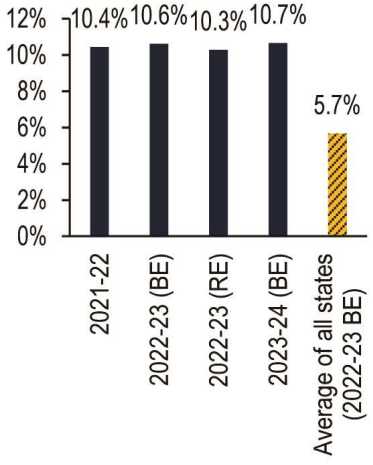

कुल बजट में पुलिस पर व्यय का प्रतिशत

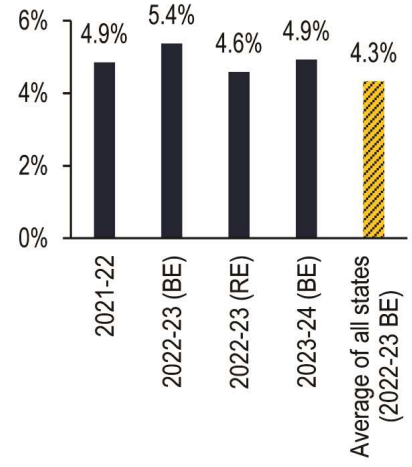

कुल बजट में सड़कों और पुलों पर व्यय का प्रतिशत

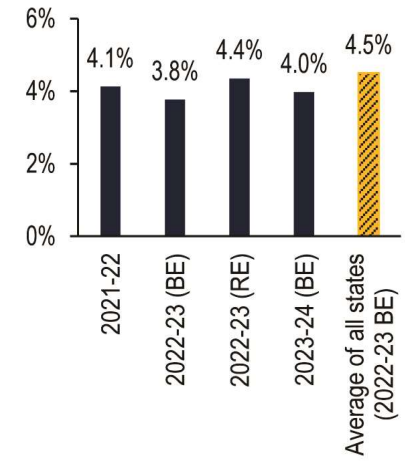

➢ **अनुलग्नक 2: 2021-22 के बजटीय अनुमानों और वास्तविक के बीच तुलना**

यहाँ तालिकाओं में 2021-22 के वास्तविक के साथ उस वर्ष के बजटीय अनुमानों के बीच तुलना की गई है।

तालिका 7: प्राप्तियों और व्यय की झलक (करोड़ रुपए में)

मद	2021-22 बअ	2021-22 वास्तविक	बअ से वास्तविक में परिवर्तन का %
शुद्ध प्राप्तियां (1+2)	**1,86,697**	**1,58,825**	**-15%**
1. राजस्व प्राप्तियां (क+ख+ग+घ)	1,86,267	1,58,797	-15%
क. स्वयं कर राजस्व	35,050	34,855	-1%
ख. स्वयं गैर कर राजस्व	5,505	3,984	-28%
ग. केंद्रीय करों में हिस्सा	91,181	91,353	0%
घ. केंद्र से सहायतानुदान	54,531	28,606	-48%
इसमें जीएसटी क्षतिपूर्ति	3,500	1,945	-44%
2. गैर ऋण पूंजीगत प्राप्तियां	430	28	-94%
3. उधारियां	31,805	40,445	345%
इसमें जीएसटी क्षतिपूर्ति ऋण	0	7,111	-
शुद्ध व्यय (4+5+6)	**2,09,208**	**1,84,377**	**-12%**
4. राजस्व व्यय	1,77,071	1,59,220	-10%
5. पूंजीगत परिव्यय	30,788	23,678	-23%
6. ऋण और अग्रिम	1,349	1,479	10%
7. ऋण पुनर्भुगतान	9,094	8,746	-4%
राजस्व संतुलन*	9,196	-422	-105%
राजस्व संतुलन (जीएसडीपी का %)*	**1.2%**	**-0.1%**	
राजकोषीय घाटा	22,511	25,551	14%
राजकोषीय घाटा (जीएसडीपी का %)	**3.0%**	**3.8%**	

नोट: बअ- बजट अनुमान। *पॉजिटिव चिन्ह अधिशेष और नेगेटिव चिन्ह घाटा दर्शाता है।

स्रोत: विभिन्न वर्षों के बिहार बजट डॉक्यूमेंट्स; पीआरएस।

Cold Storage Campus, Musallahpur,
KHAN SIR

तालिका 8: राज्य के स्वयं कर राजस्व के घटक (करोड़ रुपए में)

कर स्रोत	2021-22 बअ	2021-22 वास्तविक	बअ से वास्तविक में परिवर्तन का %
भूराजस्व	500	284	-43%
राज्य जीएसटी	20,621	19,264	-7%
वाहन कर	2,500	2,475	-1%
स्टाम्प ड्यूटी और पंजीकरण शुल्क	5,000	5,224	4%
सेल्स टैक्स/वैट	6,010	6,872	14%
बिजली पर टैक्स और ड्यूटी	250	596	138%

स्रोत: विभिन्न वर्षों के बिहार बजट डॉक्यूमेंट्स; पीआरएस।

तालिका 9: मुख्य क्षेत्रों के लिए आबंटन (करोड़ रुपए में)

क्षेत्र	2021-22 बअ	2021-22 वास्तविक	बअ से वास्तविक में परिवर्तन का %
कृषि और संबंधित गतिविधियां	7,604	3,428	-55%
जलापूर्ति और सैनिटेशन	4,990	2,918	-42%
पुलिस	11,558	8,875	-23%
आवासन	9,075	7,112	-22%
ग्रामीण विकास	24,156	19,095	-21%
शहरी विकास	6,853	5,587	-18%
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण	13,012	11,510	-12%
शिक्षा, खेल, कला एवं संस्कृति	39,467	35,530	-10%
सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण	5,047	4,712	-7%
परिवहन	8,411	8,963	7%
इनमें सड़क एवं पुल	*7,800*	*7,547*	*-3%*
समाज कल्याण एवं पोषण	12,610	13,452	7%
एसी, एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यकों का कल्याण	3,702	4,294	16%
ऊर्जा	8,473	10,426	23%

स्रोत: विभिन्न वर्षों के बिहार बजट डॉक्यूमेंट्स; पीआरएस।